अवनी

'वार्षिक प्रतिवेदन'

2010 - 11

पोस्ट त्रिपुरादेवी वाया बेरीनाग, जनपद पिथौरागढ़, उत्तराखण्ड, पिन–262531

टेलीफैक्स : 05964 244943

ई–मेल : info@avani-kumaon.org

वेबसाइट : www.avani-kumaon.org

विषय सूची

1. परिचय 3

2. अक्षय ऊर्जा तकनीकि का विकास एवं प्रचार–प्रसार 6
2.1 सोलर फोटोवोल्टाईक
2.2 सोलर थर्मल
2.3 मैकेनिकल कार्यशाला
2.4 पाईन नीडल गैसीफायर
2.5 बायोगैस

3. नये डिजाईनों के विकास से परम्परागत हस्त–शिल्प का संरक्षण 12
–हस्तनिर्मित प्राकृतिक रंग के रेशम ऊन के उत्पाद

4. महिला सशक्तीकरण 15
4.1 स्वयं सहायता समूह
4.2 बालिका शिक्षा

5. वर्षा के जल का संग्रहण एवं निष्प्रयोज्य जल का पुनः प्रयोग 18

6. प्राकृतिक कृषि 19

7. रेशम कीटपालन – वन्य रेशम ईरी एवं मूँगा की खेती 20
7.1 प्रशिक्षण एवं परीक्षण कोकून पालन

8. स्वास्थ्य सुरक्षा 22
8.1 स्वास्थ्य बीमा
8.2 स्वास्थ्य शिविर
8.3 दाई प्रशिक्षण
8.4 बेसलाईन सर्वे
8.5 प्रदर्शन भ्रमण

9. कार्यशालाऐं एवं बैठकें 24

10. विद्यार्थी एवं स्वयंसेवक 24

12. अन्य संस्थानों से सहयोग 25

13. हमारे वित्तीय सहयोगी 25

14. व्यक्तिगत दानदाता 2009–2010 25

15. अवनी मुख्य कार्यकारिणी सदस्यों की सूची 26

16. अवनी सामान्य कार्यकारिणी सदस्यों की सूची 27

17. वित्तीय सारांश 28

भूमिका

अपनी स्थापना के बाद से ही अवनी ने उपयुक्त तकनीकि एवं आय उपार्जक कार्यक्रम को एक अनुशासित उद्यम के रूप में विकसित करने की दिशा में कार्य किया है ताकि यह उद्यम समुदाय, आर्थिक सहयोगियों एवं अन्य हितग्राहियों के प्रति जिम्मेदार बन सके। इस क्षेत्र की विषम भौगोलिक स्थिति, उचित परिवहन एवं संचार साधनों की अनउप्लब्धता, आधारभूत ढॉचे एवं प्रशिक्षित मानव संसाधन न होने के कारण निश्चित रूप से बाहरी आर्थिक सहयोग इस तरह के उद्यम की स्थापना के लिये अपरिहार्य आवश्यकता है। विगत वर्षों में उद्यमिता ने जो मजबूती प्राप्त की है उसके आधार पर अब इसके विस्तार की आवश्यकता है जोकि निवेश फंडिग के माध्यम से पूर्ण की जा सकती है। अवनी द्वारा स्थापित किये गये हस्तशिल्प एवं सौर ऊर्जा उद्यम के विकास हेतु इस दिशा में कार्य करने की आवश्यकता है।

इस दिशा में संभावनाओं की तलाश काफी चुनौतीपूर्ण एवं रोमांचक है। उद्यमिता के विस्तार के माध्यम से इस उद्यम को मजबूती प्रदान करने हेतु हमें फंडिग एवं निवेश के मिश्रित सहयोग की आवश्यकता है। हमें इसके सफल संचालन हेतु नये संस्थागत स्वरूप की भी आवश्यकता है। इस दिशा में कार्य करते हुए कैलिफोर्नियां स्थित सांता क्लारा विश्वविद्यालय के स्कॉलरशिप पुरस्कार के तहत पाईन नीडल गैसीफायर {पिरूल से बिजली} बनाने हेतु व्यावसायिक योजना निर्माण का कार्य आरंभ किया गया है।

हस्तशिल्प कार्यक्रम बढ़ते ग्राहक सं0 के आधार पर निरंतर मजबूती की ओर बढ़ रहा है। इस कार्यक्रम के विस्तार हेतु हम संभावनाओं की तलाश कर रहे हैं तथा विद्यमान समस्याओं को चिन्हित कर रहे हैं। इस कार्यक्रम के विस्तार हेतु पूँजी को आकर्षित करने के लिये निश्चित रूप से नये संस्थागत स्वरूप की आवश्यकता महसूस की जा रही है।

इस वर्ष सौर उपकरणों के व्यवसाय में 50 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। हालांकि यह हमारे द्वारा अर्जित किये गये संस्थागत व्यवसाय के रूप में हुआ है इसके अलावा हम उत्तराखंड क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक से उपभोक्ताओं को ऋण उपलब्ध कराकर सौर उपकरण स्थापित करने में सफल हुए हैं। यह मात्र आरंभिक प्रक्रिया है अब हमें अधिकाधिक उपभोक्ताओं को इससे लाभान्वित करने हेतु इसकी प्रक्रिया एवं कागजी कार्यवाही को और अधिक आसान करने की आवश्यकता है। आगामी वर्षों में हमारे सामने यह चुनौती है कि हम स्वयं को विकसित करके बाजार के अनुरूप ढालते हुए हस्तशिल्प एवं सौर उपकरण उद्यम की उत्पादन व्यवस्था को व्यवस्थित करें।

हम अवनी में कार्य करने वाले कार्यकर्ताओं के बच्चों एवं नजदीकी गॉव के बच्चों हेतु एक स्कूल स्थापित करने की दिशा में प्रयासरत हैं। इस प्रयास के पीछे मूल भावना यह है कि जीवन के आरंभिक चरण में बच्चे वैकल्पिक एवं सहज प्रक्रिया से सीख सकें।

इस वर्ष वोल्कार्ट फाऊॅडेशन के वित्तीय सहयोग से सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यक्रम आरंभ किया गया। इस कार्यक्रम के तहत निवारक स्वास्थ्य सुविधाओं एवं स्थानीय परंपरागत दाईयों के कौशल विकास पर ध्यान केन्द्रित किया गया है। इस व्यवस्था के माध्यम से हम इस बात को सुनिश्चित करना चाहते हैं कि गर्भावस्था के दौरान एवं शिशु जन्म के बाद माताओं एवं शिशुओं की बेहतर देखभाल हो सके तथा दाईयों की भूमिका की पुर्नस्थापना की जा सके।

हम अपने उन समस्त मित्रों एवं शुभचिन्तकों का हार्दिक धन्यवाद करते हैं जिन्होंने अवनी के कार्यो को आगे बढ़ाया तथा हमारे प्रयासों के फलीभूत करने हेतु अमूल्य सहयोग एवं अंशदान प्रदान किया।

अवनी के फील्ड सेंटरों के माध्यम से विभिन्न गॉवों में संचालित कार्यक्रमों का विवरण निम्नलिखित प्रकार है।

क्रम सं0	गॉव का नाम	कताई बुनाई	सौर उपकरण स्थापना	रेशम की खेती	महिला समूह ऋण एवं बचत	महिला समूह के साथ आय उपार्जक कार्यक्रम	वर्मी कम्पोस्टिंग	बायो गैस	बालिका शिक्षा	समुदायिक स्वास्थ्य	चीड़ की पत्ती संग्रहण	वर्षा जल संग्रहण
धरमघर केन्द्र												
1	सिमगढ़ी	√	√		√	√	√		√			√
2	सौक्यूड़ा	√	√									√
3	धरमघर	√	√		√	√						√
4	महरौड़ी		√	√	√	√	√		√			√
5	लमजिंगड़ा		√		√	√	√					
6	थुमा	√	√									
7	धुरा	√										
8	दराती	√										
9	बास्ती		√	√	√				√			
10	दुदिला				√				√			
11	मझेड़ा		√									
दिगोली केन्द्र												
1	मांणा	√	√	√	√	√	√		√	√		
2	दिगोली	√	√	√	√	√	√	√	√	√		√
3	धौलानी	√	√	√	√	√	√			√		
4	मटकोली	√	√	√	√	√	√			√		
5	कालीगाड़	√										
6	नायल	√										
7	डाना	√	√	√			√					
8	रैतोली			√								
9	देवल		√	√								
10	सिलिंगिया		√		√	√						
11	चन्तोला		√	√	√	√	√		√			√
12	औलानी	√	√		√	√			√			
13	सिमायल	√	√	√	√	√			√			√
14	ठांगा	√	√	√	√	√	√		√			
15	रावतसेरा		√									
16	भयूँ		√					√				
17	नरगोली			√								
18	देवलेत			√		√						
19	ढानण			√		√						
20	पैठॉड़					√						
21	धुरा					√						
22	तलाड़ा					√						
23	पाटाडुँगरी			√								
24	सानीउडियार			√								
25	दौला			√								
26	कन्यागाड			√								
27	लेटगाड़ी			√								
28	पानीगाड़			√								
29	भेटा			√								

क्रम सं0	गॉव का नाम	कताई बुनाई	सौर उपकरण स्थापना	रेशम की खेती	महिला समूह ऋण एवं बचत	महिला समूह के साथ आय उपार्जक कार्यक्रम	वर्मि कम्पोस्टिंग	बायो गैस	बालिका शिक्षा	समुदायिक स्वास्थ्य	चीड़ की पत्ती संग्रहण	वर्षाती जल संग्रहण
त्रिपुरादेवी केन्द्र												
1	त्रिपुरादेवी	√	√	√	√	√	√	√	√		√	√
2	भंडारीगॉव	√										
3	राईआगर	√							√			√
4	बना	√			√	√						
5	मनीपुर	√										
6	हस्यूड़ी	√			√						√	
7	बोराखेत	√		√								
8	बुसैल		√									
9	मुँगराऊँ	√			√	√						
10	बेरीनाग	√			√							
11	सेरा पहर				√	√						
12	रावलगॉव				√	√	√					
13	सेला				√		√		√			
14	कन्यूरपानी				√				√			
15	ज्यूलागॉव				√		√		√			
16	पिपली				√							
17	जखेड़ी			√	√	√			√			
18	स्याल्वे			√								
19	वर्षायत			√								
20	हिपा		√	√								
21	ज्यूला			√	√				√			
22	सलॉड़		√									
23	गुरैना रजवार		√									
24	बहिलकोट		√	√								
25	सेरागढ़ा		√									
26	फालरौ खरचौड़		√									
27	राई			√					√			
28	ब्याती			√					√			
29	भिनगड़ी			√								
30	बल्टा				√				√			
31	सानीखेत			√								
32	मुसलगाड़			√								
33	नाली			√								
34	बैसाली			√								
35	कफाली			√								
36	झूनी	√										
37	गोबरगाड़ा	√	√									
38	पौंसा			√								
चनकाना केन्द्र												
1	चनकाना											
2	मूनी	√	√	√	√	√	√		√	√		√
3	गोदा	√		√								
4	पुँगरखोली	√										
5	लिंगुरानी	√										
6	मझेड़ा	√		√								
7	सीना			√								
8	गढ़तिर			√								

क्रम सं0	गॉव का नाम	कताई बुनाई	सौर उपकरण स्थापना	रेशम की खेती	महिला समूह ऋण एवं बचत	महिला समूह के साथ आय उपार्जक	वर्मि कम्पोस्टिंग	बायो गैस	बालिका शिक्षा	समुदायिक स्वास्थ्य	चीड़ की पत्ती संग्रहण	वर्षाती जल संग्रहण
9	भनेलगॉव	√										
10	पुरिंग	√										
11	पटोली			√								
12	बेलकोट			√				√				
13	पुरानाथल			√								
14	डांगीगॉव			√								
15	खेती जौली		√	√								
सुकना केन्द्र												
1	सुकना	√	√	√	√	√	√		√	√		√
2	घांगल	√	√					√				
3	बानड़ी	√	√						√			
4	राममंदिर	√						√				
5	धौलानी	√										
6	ग्वाल	√										
7	गोल्ती		√	√								
8	चाख			√	√				√			
9	ओखरानी				√							

वर्ष 2010–11 के दौरान संपादित कार्यक्रमों का विवरण निम्नलिखित प्रकार है।

2. अक्षय ऊर्जा तकनीकि का विकास एवं प्रचार–प्रसार :–

2.1 रोशनी हेतु प्रयोग

अवनी संस्था कुमाऊॅ क्षेत्र के गॉवों में सौर ऊर्जा के प्रचार – प्रसार हेतु वर्ष 1997 से कार्यरत है। विगत 13 वर्षों में हमने 254 गॉवों एवं तोकों के 2204 परिवारों में सौर उपकरणों की स्थापना की है। इसके अलावा विभिन्न उत्पादन केन्द्रों, अस्पतालों, स्कूलों एवं गेस्ट हाऊसों में रोशनी एवं उत्पादक कार्यों हेतु 12 किलोवाट क्षमता के पावर प्लांटो एवं 7000 ली0 दैनिक क्षमता के सोलर वाटर हीटरों की स्थापना की है जिससे लगभग 20,000 लोग प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से लाभान्वित हो रहे हैं।

गरीब से गरीब परिवारों तक सौर उपकरणों को पहुॅचाने हेतु कार्यक्रम तैयार करने एवं उद्यम के विकास हेतु कोलारेडो स्टेट यूनिवर्सिटी में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय डिजाईन विकास सम्मेलन में अवनी द्वारा सहभागिता की गई। इस उद्यम हेतु आवश्यक पूॅजी जुटाने के लिये हमें उपयुक्त संस्थागत ढॉचे की आवश्यकता है। इस दिशा में विचार – विमर्श जारी है।

इस वर्ष कुल 220 परिवार एवं 200 स्कूली बच्चे हमारे द्वारा स्थापित सौर उपकरणों से प्रत्यक्ष रूप से लाभान्वित हुए हैं।

यह कार्यक्रम 24 ग्राम स्तरीय सौर ऊर्जा समितियों द्वारा संचालित है, जो कि वित्तीय रूप से आत्मनिर्भर हैं तथा जिनके पास स्थापित सौर उपकरणों के रख–रखाव हेतु प्रशिक्षित तकनीशियनों की एक टीम है। जनपद बागेश्वर के सदूरवर्ती उच्च हिमालयी क्षेत्र के सरयू घाटी में स्थित ग्राम झूनी में स्थापित नई सौर ऊर्जा समिति ने सौर उपकरणों की स्थापना की दिशा में अपना कार्य

आगे बढ़ाया है। इस वर्ष 31 नये एलईडी आधारित घरेलू सौर उपकरण इस समिति द्वारा झूनी गॉव में स्थापित किये गये। अब तक इस गॉव में कुल मिलाकर 55 सौर उपकरण स्थापित किये जा चुके हैं। ग्रामीण स्तर पर स्थापित समितियां अन्य कार्यक्रमों हेतु भी धनराशि के स्थानांतरण एवं प्रबंधन के साथ – साथ ग्रामीण स्तर पर अवनी द्वारा संचालित कार्यक्रमों के प्रचार – प्रसार हेतु सहजकर्ता की भूमिका भी निभा रही हैं। इस वर्ष सौर ऊर्जा समिति ठांगा एवं माणा द्वारा ग्राम मुसलगाड़, सिमायल एवं बजेत में ईरी कीटपालन गृह निर्माण हेतु धनराशि आबंटित की गई।

सौर उपकरणों के प्रचार – प्रसार कार्यक्रम के तहत हम उन गरीब परिवारेां में सौर उपकरणों की स्थापना कर रहे हैं जो अभी भी रोशनी के लिये कैरोसीन लैंप पर निर्भर हैं। इन परिवारों को सौर ऊर्जा समितियों से जोड़कर सौर उपकरणों की स्थापना हेतु ऋण दिलाने के साथ साथ हमने इनका संपर्क उत्तराखंड क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक से भी कराया है जहॉ से जरूरतमंद परिवार ऋण प्राप्त कर रहे हैं। आरंभ में केवल 5 परिवार ऋण प्राप्ति में सफल हुए हैं। ऋण प्राप्ति हेतु लगने वाले समय को कम करने एवं पेचीदा कागजी औपचारिकताओं को आसान करने हेतु हमें बैंक के साथ कार्य करने की आवश्यकता है जिससे सौर उपकरणों के उपभोक्ता बैंक की इस योजना का अधिकाधिक लाभ उठा सकें।

इस वर्ष हिमालयन पब्लिक स्कूल चौकोड़ी के छात्रावास में सौर उपकरणों की स्थापना का कार्य पूर्ण किया गया। यह स्कूल अवनी केन्द्र से 17 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। इस कार्य हेतु वित्तीय मदद अमेरिका स्थित "हिमालयन एजुकेशन फाऊॅडेशन" द्वारा प्रदान की गई। वर्तमान में छात्रावास में रहने वाले 200 विद्यार्थी एवं अध्यापक सौर ऊर्जा की रोशनी का प्रयोग पढ़ाई एवं अन्य दैनिक कार्यों में कर रहे हैं।

इस वर्ष कुल मिलाकर 220 परिवारेां में सौर उपकरण स्थापित किये गये इनमें 62 परिवार वह भी शामिल हैं जिनके घरों में सौर ऊर्जा चालित चर्खों की स्थापना की गई है ताकि वे उत्तम गुणवत्ता की कताई करके आय उपार्जित कर सकें। इन उपकरणों से इन्हें रोशनी भी प्राप्त हो रही है।

इसके अलावा इस वर्ष संपादित किये गये अन्य कार्यक्रमों का विवरण निम्नलिखित प्रकार है।

- ग्रामीण स्तर पर एकत्रित कोष से सौर ऊर्जा समितियों द्वारा पूर्व में स्थापित उपकरणों की 52 बैट्रियां बदली गयीं।
- सौर समितियों द्वारा ग्रामीण स्तर पर गरीब परिवारों को सौर उपकरणों की खरीद हेतु ऋण उपलब्ध करवाया गया। अब तक कुल मिलाकर 208 परिवारों को रू0 11,68,780 का ऋण उपलब्ध करवाया गया। इसमें से विगत 7 वर्षो में रू0 9,93,450 का ऋण वापस कर दिया गया है।
- वर्ष 2010 –11 में 3 परिवारेां को रू0 6,600 की धनराशि ऋण के रूप में प्रदान की गई।
- सौर ऊर्जा चालित चर्खों एवं रोशनी उपकरणों की स्थापना हेतु रू0 3,34,700 की राशि तकनीकि कोष से ऋण के रूप में उपलब्ध कराई गई। रू0 1,03,747 की धनराशि अब तक वापस की जा चुकी है। इसमें से रू0 70,797 की राशि इस वर्ष में जमा की गई है।
- वर्ष 2011 तक 24 ग्रामीण समितियों द्वारा कुल रू0 46,15,899 की धनराशि रख–रखाव कोष में जमा की गई।
- अवनी की सौर कार्यशाला में नौ तकनीशियनों की टीम है। इनमें से 5 महिला तकनीशियन है।
- समितियेां द्वारा एकत्रित कोष का विवरण तालिका 1 एवं 2 में दिया गया है।

तालिका 1

ग्राम समिति का नाम	2010–11में रखरखाव कोश में जमा धनराशि	31 मार्च 2011 तक जमा कुल धनराशि	वर्ष 2010–11 में दिया गया ऋण	31 मार्च 2011 तक दिया गया कुल ऋण	31 मार्च 2011 तक कुल ऋण वापसी	वर्ष 2010–11 में समितियों द्वारा सौर तकनीशियन के वेतन खाते में अंशदान
देवल–ए	12,500	1,06,924	0	11,980	7,970	0
देवल ब	0	6,270	0	0	0	0
सौक्यूड़ा	5,060	45,395	0	43,130	29,500	0
सिलिंगिया	12,000	1,33,818	0	1,05,630	59,670	0
मांणा	10,400	1,27,814	2,200	98,040	88,380	0
महरौड़ी	6,260	2,14,606	2,200	3,79,570	3,53,800	0
ठांगा	7,350	2,75,346	0	2,33,610	2,01,340	0
उडेरिया	9,000	80,315	0	0	0	0
रावतसेरा	5,420	91,858	0	5,990	5,000	0
भयूँ	2,430	1,76,268	0	30,000	1,05,000	0
चंतोला	5,600	1,53,426	0	47,920	30,970	0
सिमगढ़ी	14,080	1,80,730	2,200	1,57,990	65,500	0
उडियारी	0	50,602	0	0	0	0
धरमघर	0	9,028	0	0	0	0
क्वेराली	0	8,206	0	7,000	1,200	0
सिमायल	2,560	1,80,508	0	47,920	45,120	0
झूनी	56,000	80,000	0	0	0	0
कुल	**1,48,660**	**19,21,114**	**6,600**	**11,68,780**	**9,93,450**	**0**

तालिका 2

ग्रामीण विद्युतीकरण योजना के तहत लाभान्वित परिवार	वर्ष 2010–11 में रखरखाव कोष में जमा धनराशि	मार्च 2011 तक जमा कुल धनराशि	वर्ष 2010–11 में समितियों द्वारा तकनीशियन वेतन खाते में अंशदान
बुसैल	0	3,01,890	0
गुरना रजवार	0	56,030	0
बहिलकोट	0	57,740	0
हिपा	12,000	2,99,650	0
गोल्ती	23,120	4,76,060	1,830
सेरागढ़ा	15,000	3,36,600	0
फालरौ खरचौड़	7,000	1,34,710	0
कुल	**57,120**	**16,62,680**	**1,830**

वर्ष 2010–11 के दौरान निर्मित उपकरणों एवं सौर कार्यशाला का विवरण तालिका 3 में दिया गया है।

तालिका 3

बस्तु विवरण	निर्मित	बिक्री
लालटेन 12 वोल्ट	18	6
लालटेन 6 वोल्ट	121	79
कुल लालटेन	**139**	**85**
सी एफ एल लैंप	334	250
घरेलू सौर बत्ती		66
सोलर टार्च		7
बैट्री		112

लालटेन/लैंप बिक्री से आय	2,46,090
कंपोनेंट बिक्री एवं रिपेयर से आय	77,636
टार्च विक्री से आय	1,900
बैट्री बिक्री से आय	2,01,875
सोलर स्ट्रीट लाईट सैट बिक्री से आय	4,500
घरेलू सौर बत्ती बिक्री से आय	5,06,650
अन्य	13,990
सर्विस चार्ज	94,200
प्रशिक्षण से आय	40,000
कुल आय	**11,86,841**

(ब) क्षमता विकास :–

हमारा निरंतर प्रयास रहा है कि हम सौर उपकरणों के रिपेयर, रखरखाव एवं निर्माण हेतु स्थानीय स्तर पर क्षमता विकसित करें। इस उद्देश्य की प्राप्ति हेतु हम स्थानीय युवाओं हेतु निरंतर प्रशिक्षणों का आयोजन कर रहे हैं। जैसा कि विगत वर्ष अवगत कराया गया कि हमने इन कार्यों हेतु अनेक युवाओं को प्रशिक्षित किया तथा वर्तमान में अवनी कार्यशाला इन्हीं प्रशिक्षित युवाओं द्वारा संचालित है। इस वर्ष के दौरान विभिन्न गॉवों के 3 युवाओं को सौर तकनीकि एवं सोलर वाटर हीटर निर्माण हेतु प्रशिक्षित किया गया।

प्रशिक्षणों का विवरण तालिका 4 में दिया गया है।

तालिका 4

गॉव/संस्थान का नाम	प्रशिक्षणार्थी संख्या	प्रशिक्षण विषय	प्रशिक्षण अवधि
ग्राम झूनी	1	सौर तकनीकि	8–12–10 से 4–02–11
ग्राम ग्वासीकोट	1	सौर तकनीकि	20–08–10 से 31–3–11
ग्राम गुरैना	1	सौर तकनीकि	5–08–10 से 31–12–10

सौर कार्यशाला के स्टॉक का इन्वैंट्री में कंप्यूटराईजेशन का कार्य जारी है। इस हेतु एक कार्यकर्ता को प्रशिक्षित किया जा रहा है।

तालिका 5

प्रशिक्षणार्थी का नाम	विषय	प्रशिक्षण अवधि	प्रशिक्षक
पप्पू पंत	इन्वेंट्री कंप्यूटराईजेशन	1–1–11 से जारी	कमला रावत, दीपा मेहता

2.2 सोलर थर्मल उपकरण :–

(अ) सोलर वाटर हीटर :–

इस वर्ष हमने इस तकनीकि के प्रचार – प्रसार की दिशा में अपना प्रयास जारी रखा। इस हेतु संस्थानों पर ध्यान केन्द्रित किया गया। 1000 ली0 क्षमता के एक वाटर हीटर की स्थापना हिमालयन पब्लिक स्कूल चौकोड़ी में की गई। स्कूल में रहने वाले लगभग 200 विद्यार्थी इस पानी का प्रयोग नहाने एवं धोने हेतु कर रहे हैं।

(ब) सोलर ड्रायर :–

सोलर ड्रायर तकनीकि अधिक मूल्यवान फसलों को सुखाने की उत्तम तकनीकि है। सोलर ड्रायर की क्रय क्षमता का अभाव इस तकनीकि के प्रसार में मुख्य बाधा है। स्थानीय स्तर पर उपलब्ध एवं सस्ते कच्चे माल का प्रयोग करते हुए इसे सस्ती कीमतों पर उपलब्ध कराने की आवश्यकता है। हमने इस दिशा में कुछ प्रयास किये हैं लेकिन अभी तक पर्याप्त सफलता नहीं मिली है। हम तकनीकि संस्थानों के सहयोग से इस दिशा में कार्य जारी रखे हुए हैं। इस वर्ष हमने मासाचुसैट्स इंस्टीटयूट ऑफ टैक्नलॉजी से संबद्ध डी लैब विद्यार्थियें की मदद से सोलर ड्रायर का नया प्रारूप तैयार किया। यह प्रारूप सस्ता तो है लेकिन सामग्री को सुखाने में दोगुना समय ले रहा है। इस दिशा में कार्य करते हुए इस तरह के सस्ते सोलर ड्रायर बनाने की आवश्यकता है जो कि नकदी फसलों को सुखाने में सहायक हो सकें।

2.3 मैकेनिकल कार्यशाला :–

विगत वर्ष मैकेनिकल कार्यशाला फैब्रिकेशन कार्य में व्यस्त रही। त्रिपुरादेवी केन्द्र में निर्मित कार्यकर्ता आवास हेतु फैब्रिकेशन का कार्य मैकैनिकल कार्यशाला द्वारा पूर्ण किया गया।
कार्यशाला में उत्पादन का विवरण तालिका 6 एवं 7 में दिया गया है।

तालिका 6

अन्य सामग्री	कुल सं0
छत की ट्रेस	3
एल पटटी	20
खिड़की रिपेयर	1
खिड़की निर्माण	3
सोलर ड्रायर	1
बुखारी	1
पावर प्लांट स्टैंड	8
सोलर वाटर हीटर स्टैंड	10
आटो कट टैंक	1
टैंक स्टैंड	1
सोलर पैनल स्टैंड	50
इंसुलेटिड स्टोरेज टैंक	1
कलक्टर पैनल	10
पाईन नीडल स्टोव	1
चरखा स्टैंड	2
हमाम	1

इसके अलावा मैकेनिकल कार्यशाला द्वारा धरमघर केन्द्र हेतु जाल बाऊड्री एवं अवनी मीटिंग रूम हेतु फाईबर की छत का निर्माण किया गया।

- अवनी केन्द्र धरमघर में 40 फीट तार बाड़ लगाई गई।
- अवनी मीटिंग रूम हेतु फाईबर छत का निर्माण किया गया।
- अवनी कार्यालय में बुखारी स्थापित की गई।
- 2 कुरमुला नियंत्रक जाले निर्मित किये गये तथा अवनी फार्म में स्थापित किये गये।

तालिका 7

मैकैनिकल कार्यशाला द्वारा अर्जित आय	
फैब्रिकेशन	78,024
सोलर ड्रायर बिक्री	0
सोलर वाटर हीटर की बिक्री	3,18,635
अन्य आय	2,800
कलैंड्रिंग एवं स्प्रे ड्रायर से आय	31,780
सर्विस चार्ज	2,161
कुल	**4,33,400**

2.4 पाईन नीडल गैसीफायर (पिरूल से बिजली निर्माण) :–

अवनी केन्द्र में स्थापित 9 किलोवाट क्षमता के पाईन नीडल गैसीफायर के माध्यम से बिजली उत्पादन जारी है। हालांकि हम अभी तक गॉव में प्रस्तावित 120 किलोवाट क्षमता का प्लांट स्थापित नहीं कर पाये हैं। इस हेतु वित्तीय मदद जुटाने के लिये वैश्विक स्तर पर कार्यरत संस्था एक्युमेन फंड से विचार विमर्श जारी है जो कि वैश्विक स्तर पर गरीबी की समस्या से निपटने हेतु उद्यमिता विकास को प्रोत्साहित करती है। गैर परंपरागत ऊर्जा स्रोत मंत्रालय द्वारा इस बात पर सहमति व्यक्त की गई है कि गैसीफायर से उत्पादित बिजली उसके द्वारा खरीदी जायेगी। हमने उत्तराखंड ऊर्जा निगम के साथ पावर परचेज अग्रीमेंट की दिशा में कार्य करना आरंभ कर दिया है।

अवनी के सामने अभी मुख्य चुनौती यह है कि पाईन नीडल गैसीफायर हेतु उद्यम की स्थापना करके किस प्रकार ग्रामीण समुदाय की रोशनी एवं ईंधन से संबधित आवश्यकताओं को पूर्ण किया जाये। इस सामुदायिक उद्यमिता के विकास हेतु हमें एक ऐसे उपयुक्त संस्थागत ढॉचे की आवश्यकता है जिनके माध्यम से अनुशासित निवेश को बढ़ावा दिया जा सके। इस उद्यम हेतु उपयुक्त व्यवसाय मांडल चिन्हत करने के लिये हमारे द्वारा सांता क्लारा विश्वविद्यालय कैलिफोर्नियां में आयोजित व्यवसाय योजना विकास कार्यक्रम में सहभागिता की गई।

2.5 बायो गैस

गैर परंपरागत ऊर्जा स्रोत मंत्रालय द्वारा ग्रामीण परिवारों हेतु बायोगैस के लिये अनुदान बढ़ाने के बाद हमारे द्वारा ग्रामीण क्षेत्र में इस कार्यक्रम के प्रचार प्रसार हेतु पुनः प्रक्रिया आरंभ की गई है। हमारे कार्यक्षेत्र के एक मिस्त्री को कुमाऊॅ कारीगर समिति रानीखेत द्वारा बायोगैस निर्माण हेतु प्रशिक्षित किया गया तथा उसके बाद ग्राम बेलकोट एव धरमोली में 2 क्यूबिक मी0 के 2 बायोगैस प्लांटों का निर्माण किया गया। हम आगामी वर्षों में इस तकनीकि के प्रचार – प्रसार की कार्ययोजना बना रहे हैं।

2.6 अन्य संस्थानों से सहयोग

अन्य संस्थानों से सहयोग बढ़ाने की दिशा में हम टवेंट यूनिवर्सिटी नीदरलैंड, सैंट गैलन यूनिवर्सिटी स्विटजरलैंड एवं मासाचुसेट्स इंस्टीटयूट ऑफ टैक्नॉलॉजी से संबद्व डी लैब एवं आईडीडीएस के साथ पूर्व में ही कार्यरत हैं। इसके अलावा कुछ नये संस्थानों जैसे, सांता क्लारा विश्वविद्यालय के साथ संपर्क स्थापित किया गया है। अवनी द्वारा माह जुलाई अगस्त में कोलोरोडो स्टेट युनिवर्सिटी, कोलोरोडो, अमरीका में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय डिजाईन विकास सम्मेलन में पुनः सहभागिता की गई तथा सौर उपकरण व्यवसाय योजना निर्माण की दिशा में कार्य किया गया इसके अलावा हमारे द्वारा सांता क्लारा विश्वविद्यालय कैलिफोर्नियां में पाईन नीडल गैसीफायर हेतु व्यवसाय योजना विकास हेतु आयोजित कार्यशाला में सहभागिता की गई।

3. नये डिजाईनों के विकास से परम्परागत हस्तशिल्प का संरक्षण हस्तनिर्मित प्राकृतिक रंगों के उत्पाद :–

विगत 10 वर्षों से परंपरागत हस्तशिल्प को परंपरागत एवं नये कारीगरों हेतु जीवकोपार्जन के स्रोत के रूप में विकसित करने की दिशा में कार्य करने के बाद अब इस उद्यम पर कारीगरों के स्वामित्व की दिशा में ध्यान केन्द्रित किया गया है। वर्ष 2009 – 10 से उत्पादन एवं बिक्री से संबधित समस्त कार्य कुमाऊॅ अर्थक्राफ्ट स्वायत्त सहकारिता द्वारा संपादित किये जा रहे हैं। अर्थक्राफ्ट हेतु डिजाईन निर्माण, मार्केटिंग एवं कार्यकर्ताओं के क्षमता विकास हेतु अवनी द्वारा सहयोग जारी है।

अपने व्यवसाय के विस्तार की दिशा में कार्य करते हुए अवनी द्वारा सितंबर 2010 में पेरिस में आयोजित एथिकल फैशन शो में सहभागिता की गई। इस फैशन शो में उत्तम गुणवत्ता के उत्पादों के साथ – साथ व्यापार के नैतिक एवं एवं उचित मजदूरी के मूल्यों पर भी ध्यान केन्द्रित किया जाता है। हम इस मंच पर अपने कार्य एवं संस्थागत उपस्थिति दर्ज करने में सफल रहे। उत्पादों के प्रति काफी अच्छी उत्साहजनक अनुक्रिया रही। हमारे द्वारा विभिन्न शहरों के दुकानों में भी संपर्क स्थापित किया गया। इनमें से पेरिस में 2, इटली एवं सर्दिनियां में 1–1 दुकान शामिल है जोकि हमारे उत्पादों की बिक्री कर रहे हैं।

इस आयोजन के माध्यम से हमें विभिन्न देशों के लोगों से मिलने का अवसर मिला जो प्राकृतिक रंगाई के साथ कार्य कर रहे हैं। हम रंगाई पौधों की खेती एवं पिगमेंट निर्माण की दिशा में भी कार्य कर रहे हैं। इस आयोजन के माध्यम से हमें फ्रांस के प्राकृतिक रंगाई एवं पिगमेंट निर्माण की दिशा में कार्यरत तकनीकि विशेषज्ञों से भी मिलने का अवसर मिला। इनमें से प्रमुख है, रौहेफोर्ट शहर में स्थित सीआरआईटीटी जोकि सौंदर्य प्रसाधनों के निर्माण हेतु प्राकृतिक पिगमेंट का निर्माण करती है तथा दूसरी, दक्षिणी फ्रांस में स्थित ओखरा है जो पेंटिग रंग, क्रेयान एवं भवनों हेतु मिट्टी के प्लास्टर निर्माण की दिशा में कार्य करती है। ये दोनों उद्यम काफी अच्छे चल रहे हैं तथा अवनी के लिये अच्छे उदाहरण हैं क्योंकि हम भी इसी दिशा में कार्य कर रहे हैं।

इस उद्यम ने विगत वर्ष में उल्लेखनीय मजबूती प्राप्त की है। हालांकि विगत वर्ष की तुलना में इस वर्ष उत्पादें की बिक्री थोड़ी कम रही लेकिन ग्राहक आधार को बढ़ाने हेतु नये संपर्क स्थापित किये गये। स्विटजरलैंड में "अवनी हिमालयन हस्तशिल्प" के नाम के प्रतिष्ठान द्वारा हमारे उत्पादों की बिक्री की जा रही है तथा इसके द्वारा अर्जित लाभ का एक हिस्सा हमारे उद्यमिता विकास में

सहयोग हेतु अनुदान के रूप में प्रेषित किया जा रहा है। इस वर्ष कुल रू0 35,76,692 की बिक्री की गई।

हस्तशिल्प व्यवसाय को बढ़ाने हेतु हम इसमें आने वाली प्रमुख बाधाओं की पहचान एवं उनके संभावित समाधानों की दिशा में कार्य कर रहे हैं। इन संभावनाओं की तलाश एवं अन्य सफल सामुदायिक उद्यमिताओं द्वारा प्रयोग की जा रही तकनीकि एवं व्यवस्थाओं से सीख प्राप्त करने हेतु वोल्कार्ट फाऊंडेशन द्वारा हमें यात्रा हेतु अनुदान प्रदान किया गया। विभिन्न उद्यमिताओं एवं तकनीकि केन्द्रों के भ्रमण एवं अपनी स्थिति के मूल्यांकन के बाद हमें महसूस हुआ कि हमारी रंगाई कार्यशाला के मैकेनाईजेशन की आवश्यकता है ताकि रंगों को पक्का किया जा सके एवं आवश्यकतानुसार रंगों की पुनरावृत्ति की जा सके। हमें हस्तशिल्प एवं प्राकृतिक रंगों के व्यवसाय को बढ़ाने हेतु बिक्री एवं उत्पादन व्यवस्था को सदृढ़ करने के लिये और अधिक व्यावसायिक दृष्टिकोण की आवश्यकता है। वर्तमान में हम इस हेतु अनुदान प्राप्ति की संभावनाओं की दिशा में कार्य कर रहे हैं। उद्यमिता के विकास हेतु आवश्यक धनराशि जुटाने के लिये संस्थागत ढॉचे पर भी पुर्नविचार करने की आवश्यकता पड़ सकती है।

इस वर्ष कुमाऊॅ अर्थ्रकाफ्ट के निदेशक मंडल एवं मुख्य स्टाफ कार्यकर्ताओं हेतु प्रशिक्षण पर ध्यान केन्द्रित किया गया। हैदराबाद स्थित संस्था एक्सेस लाईवलीहुड कंसलटेंट द्वारा इस प्रशिक्षण में प्रशिक्षक की भूमिका निभाई गई। इस वर्ष के दौरान एक्सेस लाईवलीहुड कंसलटेंट द्वारा कुल 4 प्रशिक्षण आयोजित किये गये तथा 21 प्रतिभागियों द्वारा इस प्रशिक्षण में सहभागिता की गई।

इस वर्ष लगभग 45 कारीगरों के साथ प्राकृतिक रंग से रंगे ऊन के तागे से निटिड खिलौने बनाने का कार्य आरंभ किया गया। इन खिलौनों के प्रति बाजार में काफी अच्छी अनुक्रिया रही तथा शहरी बाजारों में बिक्री हेतु खिलौने तैयार करने के लिये और अधिक कारीगरों को प्रशिक्षित किया जा रहा है।

विगत वर्ष के दौरान 48 गॉवों एवं तोकों के 349 कारीगरों एवं रंगाई सामग्री संग्रहणकर्ताओं द्वारा इस कार्यक्रम में सहभागिता की गई। इन लाभार्थियों में 86 प्रतिशत महिलाऐं हैं। कार्यक्रम में शामिल 48 गॉवों में से हम 22 गॉवों में सघन रूप से कार्य कर रहे हैं तथा अन्य 26 गॉवों में हम व्यक्तिगत रूप से कारीगरेां के साथ कार्य कर रहे हैं। इस कार्यक्रम से रू0 11,62,795 की आय ग्रामीणेां द्वारा अर्जित की गई है।

हमारे कार्यक्रम से अधिकांश रूप से बोरा कुथलिया समुदाय की परंपरागत महिला कारीगर लाभान्वित हुई हैं। हम अन्य समुदायों के गरीब एवं पिछड़े वर्ग को भी कताई एवं बुनाई की कला स्थानांतरित करने की दिशा में भी कार्य कर रहे हैं ताकि रोजगार अवसरों के सृजन के साथ – साथ कला का भी प्रचार – प्रसार किया किया जा सके।

चनकाना गॉव में निर्मित नये केन्द्र में इस वर्ष सोलर पावर प्लांट की स्थापना की दिशा में कार्य किया गया। इस प्लांट हेतु सौर पैनल अमेरिका स्थित संस्थान टीयूवी रिहिनलैंड फोटोवोल्टिक टैस्टिंग लैबोरेटरी द्वारा अनुदान के रूप में भेजे जा रहे हैं। इस पावर प्लांट हेतु बैट्री बैंक तथा अन्य सहायक सामग्री की प्राप्ति हेतु हम अनुदान प्राप्ति की दिशा में कार्य कर रहे हैं। इस प्लांट की स्थापना के बाद अवनी द्वारा स्थापित समस्त केन्द्र सोलर पावर प्लांट से युक्त हो जायेंगे।

हस्तशिल्प कार्यक्रम के साथ संलग्न गॉवों का विवरण तालिका 8 में दिया गया है।

तालिका 8

क0 सं0	धरमघर जिला बागेश्वर	दिगोली जिला बागेश्वर	त्रिपुरादेवी जिला पिथौरागढ़	चनकाना जिला पिथौरागढ़	सुकना जिला पिथौरागढ़
1	सिमगढ़ी	मांणा	महरौड़ी	चनकाना	सुकना
2	सौक्यूड़ा	दिगोली	भंडारी गॉव	मूनी	घॉगल
3	धूरा	धौलानी	राईआगर	गोदा	धौलानी
4	धरमघर	मटकोली	बना	पुँगरखोली	राममंदिर
5	थुमा	नायल	त्रिपुरादेवी	लिंगुरानी	बानड़ी
6	दराती, मुनस्यारी	ठॉगा	मुँगराऊँ	गढ़तिर	–
7	मझेड़ा	औलानी	मानीपुर	भनेलगॉव	–
8		सिमायल	हस्यूड़ी	पुरिंग	–
9		कालीगाढ़	बेरीनाग	पटोली	–
10		ढानण	पभ्या		–
11		पैठॉड़	वर्षायत		
12		धुरा	गोबरगाड़ा		
13		तलाड़ा			
14		करड़ियागॉव			
15		नरगोली			

परंपरागत ऊनी कतकरें को रेशम कताई हेतु प्रशिक्षित करने की दिशा में हमारा कार्य जारी है। स्थानीय किसानों के साथ रेशम की खेती का कार्य भी मजबूती से आगे बढ़ रहा है। विभिन्न गॉवों के 62 परिवारों में सौर चालित चर्खे की स्थापना की गई है। चर्खों की स्थापना के बाद 7 विभिन्न जगहों पर प्रशिक्षण आयोजित किये किये गये। इन चर्खों पर रेशम की कताई को आजीविका के स्रोत के रूप में विकसित करने के साथ स्थानीय रेशम उत्पादकों के द्वारा उत्पादित कोकून की बिक्री हेतु बाजार भी उपलब्ध हो सके जोकि इस क्षेत्र के अन्य किसानों को भी आय उपार्जन हेतु रेशम की खेती के लिये प्रेरित करेगा।

हस्तशिल्प उत्पादों की रंगाई हेतु प्राकृतिक रंगों का प्रयोग निरंतर सफलता के साथ आगे बढ़ रहा है।

हमने पौधों पर आधारित प्राकृतिक रंगों की एक श्रृंखला का उत्पादन जारी रखा है जो कि गैर रासायनिक है एवं बच्चों तथा अन्य प्रयोगकर्ताओं के प्रयोग हेतु पूर्ण रूप से सुरक्षित हैं। इस वर्ष मासाचुसेटस इंस्टीट्यूट ऑफ टैक्नॉलाजी से संबद्ध डीलैब के विद्यार्थी द्वारा रंगाई कार्यशाला में हमारी टीम के साथ मिलकर 3 विभिन्न प्रकार की सामग्री से क्रेयांन तैयार किये गये। इस उत्पाद को बाजार में प्रस्तुत करने से पूर्व इसमें और अधिक कार्य करने की आवश्यकता है।

4. महिला सशक्तीकरण :–

4.1 स्वयं सहायता समूह

4.1.1 लघु बचत

अवनी द्वारा इस वर्ष कुल 36 महिला स्वयंसहायता समूहों के साथ कार्य किया गया। 3 गांवों क्रमशः बनाबैंड, अराड़ी एवं गढ़तिर के समूह इस वर्ष कार्यरत नहीं रहे।

सभी समूहों द्वारा नियमित बचत की जा रही है तथा सदस्यों के बीच ऋण का आदान – प्रदान किया जा रहा है।

महिला समूहों की बचत एवं ऋण का विवरण तालिका 9 एवं 10 में दिया गया है।

तालिका 9

क्रम सं0	समूह का नाम	सदस्य सं.	आयोजित बैठक	अपस्थित सदस्य	31 मार्च 2010 तक जमा	वर्ष 2010–11 में जमा	वर्ष 2010–11 में सदस्यों को वापस	कुल जमा	विगत वर्ष दिया गया ऋण	वर्ष 10–11 में दिया गया ऋण	वापस ऋण
1	लमजिंगड़ा	16	2	22	48,011	3,521	0	51,532	2,500	0	5,000
2	चन्तोला	10	9	56	19,275	2,377	0	21,652	0	10,000	0
3	सिमायल	16	5	50	20,437	6,804	0	27,241	0	20,000	6,000
4	माणा	12	9	79	44,474	4,480	0	48,954	10,000	0	10,000
5	धौलानी	17	12	167	26,002	6,491	0	32,493	15,000	0	13,000
6	महरौड़ी	14	7	73	23,155	4,297	0	27,452	8,000	0	0
7	सिमगढ़ी	11	7	59	18,154	4,935	0	23,089	2,000	17,250	16,250
8	त्रिपुरादेवी	9	10	119	33,412	10,800	10,283	33,929	12,000	16,000	7,800
9	दिगोली	17	12	179	26,372	5,317	1,600	30,089	25,000	9,000	5,000
10	मटकोली	9	7	50	8,433	570	1,900	7,103	0	0	0
11	धरमघर	6	3	15	7,187	750	6,437	1,500	0	0	0
12	बेरीनाग	23	9	54	58,143	6,132	0	64,275	0	25,500	23,000
13	चनकाना	9	8	70	13,610	6,129	580	19,159	0	5,000	5,000
14	ठॉगा	11	10	61	32,984	2,245	32,984	2,245	24,000	0	24,000
15	सुकना	10	8	114	27,992	2,560	0	30,552	0	5,000	0
16	सिलिंगियॉ	15	7	65	13,900	2,394	0	16,294	0	5,000	1,500
17	मॅूगराऊॅ	22	10	76	16,734	3,075	0	19,809	13,000	0	3,500
18	हस्यूड़ी	8	3	24	6,953	447	0	7,400	0	0	0
19	रावलगॉव	16	9	122	15,808	4,126	0	19,934	0	0	0
20	सेरा पहर	9	8	54	7,178	1,880	0	9,058	6,000	0	0
21	बना	12	6	63	10,730	3,014	0	13,744	0	0	0

22	सेला	14	8	72	13,076	3,640	0	16,716	0	0	0
23	कन्यूरपानी	10	8	63	8,732	2,440	0	11,172	0	0	0
24	ज्यूला	15	4	41	12,795	3,120	0	15,915	0	0	0
25	बानड़ी	8	6	40	5,418	2,026	490	6,954	0	0	0
26	औलानी	12	10	105	15,015	3,780	0	18,795	10,000	3,000	0
27	पिपली	15	8	36	9,770	2,902	0	12,672	0	0	0
28	ज्योति समूह बल्टा	11	0	0	2,663	0	0	2,663	0	0	0
29	प्रगतिशील समूह बल्टा	11	0	0	1,624	0	0	1,624	0	0	0
30	चाख	14	9	87	8,945	3,535	0	12,480	4,000	0	0
31	बास्ती	9	5	45	12,773	5,531	0	18,304	0	8,000	0
32	दुदिला	23	5	55	14,664	6,227	0	20,891	0	0	0
33	ओखराड़ी	12	9	84	6,086	2,705	0	8,791	0	0	0
34	जखेड़ी	12	10	74	6,432	2,905	700	8,637	0	0	0
35	दिगोली	20	12	139	51,464	21,325	16,970	55,819	22,000	0	32,000
36	चेतना त्रिपुरादेवी	13	0	0	25,390	18,600	9,300	34,690	22,000	33,000	29,350
	कुल	**471**	**255**	**2413**	**673,791**	**161,080**	**81,244**	**753,627**	**175,500**	**156,750**	**181,400**

तालिका 10

	2008-2009	2009-10	2010-11
कुल समूह	38	39	36
कुल सदस्य	511	528	467
कुल आयोजित बैठकें	358	312	255
उपस्थित महिलाऐं	3,370	3,168	2413
वर्ष में कुल जमा	Rs 1,62,472	2,01,488	1,61,080
समूहों की कुल बचत	Rs 5,11,477	6,83,079	7,53,627
दिया गया ऋण	Rs 91,700	1,75,500	1,56,750
ऋण वापसी	Rs 80,200	64,900	1,81,400
पिछले 3 वर्षों में दिया गया कुल ऋण	Rs 2,41,200	3,28,200	4,84,950

इस वर्ष अवनी टीम द्वारा महिला समूह सदस्यों में इस बात का प्रचार प्रसार करने की दिशा में सघन प्रयास किया गया कि समय से ऋण वापसी समूह के सफल संचालन हेतु आवश्यक है। परिणामस्वरूप इस वर्ष की ऋण वापसी की धनराशि दिये गये ऋण के अनुपात में ज्यादा है।

4.1.2 महिला समूहों के साथ आय उपार्जक कार्यक्रम

हस्तशिल्प उत्पादों की रंगाई हेतु पौधों पर आधारित प्राकृतिक रंगों के प्रयोग से महिला समूहों हेतु उस सामग्री के प्रयोग से आय उपार्जन के स्रोत विकसित हुए हैं जिनका पूर्व में काफी कम प्रयोग किया जाता था।

इस प्रक्रिया से एक ओर तो महत्वपूर्ण प्रजातियों जैसे, रीठा, हरड़ा, दाड़िम मंजिष्ठ आदि के पौधों के संरक्षण को बढ़ावा मिल रहा है वहीं दूसरी ओर बसुंटी जैसे खरपतवार के उन्मूलन में सहायता मिल रही है।

रंगाई सामग्री के संग्रहण में लगतार तीसरे वर्ष ग्रामीणों की सहभागिता में वृद्धि हुई है।

एकत्रित रंगाई सामग्री से पिगमेंट निर्माण हेतु स्थापित स्प्रेड्रायर का वर्तमान में प्रयोग नहीं हो पा रहा है क्योंकि तैयार पिगमेंट को नमी से बचाने में दिक्कत आ रही है। हम इस समस्या के समाधान हेतु विषय विशेषज्ञों से संपर्क स्थापित कर रहे हैं जो कि हमें पिगमेंट को स्थिर करने हेतु प्रशिक्षित कर सके। इस कौशल में प्रशिक्षित होने के बाद हम पिगमेंट निर्माण का कार्य पुनः आरंभ कर पायेंगे।

आय उपार्जन हेतु महिला समूहों के साथ विभिन्न कृषि आधारित कार्यक्रमें को बढ़ावा देने की कोशिश के बाद महिला समूहों द्वारा रंगाई सामग्री की खेती एवं संग्रहण हेतु ज्यादा रूचि एवं उत्साह प्रदर्शित किया गया है। हस्तशिल्प उद्यम के तैयार बाजार को देखते हुए भी इसके प्रति ज्यादा उत्साह है। इस प्रक्रिया से जहॉ एक ओर पर्यावरणीय दृष्टि से महत्वपूर्ण पौधों का संरक्षण एवं पौधारोपण को बढ़ावा मिल रहा है वहीं दूसरी ओर काफी मात्रा में उग रही खरपतवार के उन्मूलन में भी सहायता मिल रही है। दोनों में पिगमेंट की काफी मात्रा विद्यमान है।

विद्यमान उद्यम के साथ इसके पर्यावरणीय फायदों की प्राप्ति हेतु हम रंगाई पौधेां की खेती, संग्रहण एवं प्रसंस्करण पर अपना ध्यान केन्द्रित कर रहे हैं ताकि महिला समूहों हेतु संरक्षण आधारित आय उपार्जन के स्रोत विकसित किये जा सकें।

अभी तक हमें रीठे एवं हरड़ा की नर्सरी तैयार करने की दिशा मे अपेक्षाअनुरूप सफलता नहीं मिल पाई है। इस हेतु हमें वन विभाग से जानकारी प्राप्त करने की आवश्यकता है।

इस वर्ष एकत्रित किये गये मंजिष्ठ के बीजों से स्थापित नर्सरी का अंकुरण काफी अच्छा रहा अब हम इसके पौधारोपण की दिशा में कार्य कर रहे हैं। हमारे द्वारा रोपित किये गये इंडिगोफेरा के पौधों का अंकुरण आशाजनक रहा अब हम इससे पुनः बीज प्राप्ति का इंतजार कर रहे हैं ताकि बड़ी नर्सरी तैयार की जा सके। रंगाई पौधों की खेती विकसित होने में हमारी अपेक्षा से थोड़ा ज्यादा समय लग रहा है लेकिन हम मजबूती से इस दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।

4.2 बालिका शिक्षा :–

अवनी के मित्रों एवं व्यक्तिगत दानदाताओं के सहयोग से अनौपचारिक शिक्षा सहायता कार्यक्रम विगत कुछ वर्षों से संचालित किया जा रहा है। वर्तमान में 21 गॉवों के 38 बालिकाओं को उनकी पढ़ाई जारी रखने हेतु सहायता प्रदान की जा रही है। जनपद अल्मोड़ा के बल्टा गॉव में ज्योति शिक्षा समिति द्वारा संचालित प्राथमिक पाठशाला को भी इस धनराशि से सहयोग प्रदान किया जा रहा है।

इस कार्यक्रम की सहायता से छोटी लड़कियों को अपनी स्कूली शिक्षा जारी रखने में सहायता प्राप्त हुई है तथा कुछ लड़कियों ने स्कूली पढ़ाई के बाद रोजगारपरक प्रशिक्षण प्राप्त किया है। अधिकांश मामलों में इस सहायता से बचपन में शादी करने की प्रवृत्ति पर रोक लगी है।

हम शिशु सहज शिक्षा प्रक्रिया आरंभ करने हेतु अध्यापकों के प्रशिक्षण के लिये श्री अरविंदों आश्रम शिक्षा सोसाईटी से सहयोग प्राप्त कर रहे हैं। इस दिशा में कार्य करते हुए अध्यापकों हेतु प्रशिक्षण का एक दौर पूर्ण कर लिया गया है।

शिशु सहज शिक्षा सिद्धांतों पर आधारित स्कूल की स्थापना की प्रक्रिया भी आरंभ की जा चुकी है। इस स्कूल में 3 से 5 साल के आयुवर्ग के शिशुओं से कक्षा आरंभ की जायेगी तथा प्रत्येक वर्ष शिशुओं को अगली कक्षा में प्रवेश दिया जायेगा। इस स्कूल की स्थापना त्रिपुरादेवी केन्द्र में अप्रैल 2011 में की जायेगी। इस स्कूल हेतु अध्यापकों के प्रशिक्षण के लिये श्री अरविंदों आश्रम शिक्षा सोसाईटी द्वारा सहयोग प्रदान किया जा रहा है।

5.वर्षा जल संग्रहण एवं निष्प्रयोज्य जल का पुनः प्रयोग :–

इस वर्ष अवनी केन्द्र त्रिपुरादेवी में 30,000 ली0 क्षमता के एक और वर्षा जल संग्रहण टैंक का निर्माण किया गया। 40,000 ली0 क्षमता के एक अन्य टैंक का कार्य निर्माणाधीन है। दिगोली, सुकना एवं धरमघर केन्द्र अपनी पानी की आवश्यकताओं की अधिकांश पूर्ति वर्षा के जल से कर रहे हैं। ग्रामीण स्तर पर समस्त फील्ड सेंटरों की जल संग्रहण क्षमता लगभग 1,00,000 ली0 है जिसका प्रयोग वे अपनी दैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु कर रहे हैं। त्रिपुरादेवी केन्द्र में निर्मित वर्षा जल संग्रहण टैंकों में एकत्रित जल पर वर्ष भर 5 माह तक निर्भर रहे। इस दौरान हम खाना पकाने, प्राकृतिक रंगाई, हस्तशिल्प हेतु ऊन, तागे एवं कपड़े की धुलाई एवं 35 कार्यकर्ताओं की दैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति वर्षा के जल से कर पा रहे हैं। वर्ष में बाकी समय के लिये हम अभी 5 किलोमीटर दूर से ट्रक से पानी ला रहे हैं।

अवनी केन्द्र में स्थापित स्लोसैंड फिल्टर से अवनी स्टाफ एवं अवनी केन्द्र में आने वाले विभिन्न देशों के लोगों के लिये साफ पानी उपलब्ध हो रहा है।

तालिका 11

अवनी परिसर में वर्षाती जल संग्रहण	मात्रा 2008–09	मात्रा 2009–10	मात्रा 2010–11
टैंकों की कुल सं0	4	4	5
कुल संग्रहण क्षमता	3,25,000 ली0	3,25,000 ली0	3,55,000 ली0
मानसून के दौरान कुल संग्रहीत जल	9,35,000 ली0	8,40,000 ली0	10,53,300 ली0
पानी की दैनिक खपत	5,000 ली0	6,000 ली0	6,500 ली0
कुल दिन जब बर्षाती पानी का प्रयोग किया गया	187 दिन	140 दिन	145 दिन
5 किलोमीटर दूर से ट्रक से पानी न लाने की एवज में बचत	रू0 56,100	रू0 42,000	रू0 43,500

- **निष्प्रयोज्य जल संशोधन :–**

त्रिपुरादेवी केन्द्र में स्थापित निष्प्रयोज्य जल संशोधन संयत्र विगत 3 वर्ष से कार्यरत है। इस संयत्र की सहायता से लगभग 3000 ली0 पानी दैनिक रूप से संशोधित किया जा रहा है। इस संशोधित पानी का सिंचाई हेतु प्रयोग करने से हम इस वर्ष अपने फार्म में और अधिक सब्जी उत्पादन में सफल हुए हैं। यह संयत्र अन्य संस्थाओं एवं सरकारी विभागों के लिये एक अच्छा प्रदर्शन केन्द्र भी साबित हो रहा है। इस तकनीकि के प्रयोग से सब्जी उत्पादन के रूप में आय उपार्जक कार्यक्रम के संभावनाओं के द्वारा खुले हैं।

6. प्राकृतिक कृषि :–

प्राकृतिक कृषि की विभिन्न पद्धतियों को प्रदर्शित करने हेतु अवनी केन्द्र के फार्म में बायोगैस स्लरी, वार्मिकम्पोस्ट, नाडेप एवं मिट्टी को पुनर्जीवित करने की समस्त तकनीकि का प्रयोग किया जा रहा है। इस फार्म में सामुदायिक भोजनालय के लिये सब्जी उत्पादन हेतु सिंचाई के लिये संशोधित जल का प्रयोग किया जा रहा है। वर्ष के दौरान इस फार्म का विवरण निम्नलिखित प्रकार है।

- त्रिपुरादेवी केन्द्र स्थित फार्म में 7 वर्मिकम्पोस्ट पिटों का निर्माण किया गया जिनके माध्यम से 2,400 किग्रा खाद का उत्पादन किया गया। इसके अलावा 1,500 किग्रा खाद नाडेप पिट से प्राप्त की गई।
- त्रिपुरादेवी स्थित फार्म में स्थापित ड्रिप ईरीगेशन सिस्टम विगत वर्ष से कार्यरत है।
- खेत की मेंड़ों पर लैमन घास की 100 कटिंग रोपित की गई।

उपरोक्त तकनीकों के प्रयोग एवं अवनी केन्द्र में निवास करने वाले कार्यकर्ताओं के दैनिक रूप से 1 घंटे के श्रमदान की सहायता से फार्म के उत्पादन में वृद्धि हुई है। इस वर्ष फार्म की आय रू0 37,036 हुई। इस वर्ष हुई अतिवृष्टि के कारण फार्म का उत्पादन विगत वर्ष की तुलना में कम रहा।

अवनी फार्म इस क्षेत्र के किसानों के लिये उपयुक्त तकनीकों के प्रयोग के प्रदर्शन केन्द्र एवं प्रशिक्षण केन्द्र के रूप में स्थापित हो रहा है।

7. रेशम की खेती

वन्य रेशम ईरी एवं मूंगा की खेती :–

हमने ईरी, मूँगा एवं ओकटसर रेशम की खेती हेतु नये किसानों केा जोड़ने का कार्य जारी रखा है। इस वर्ष 8 नये गॉवों में ईरी एवं मूँगा की खेती का कार्य आरंभ किया गया। उन पुराने गॉवों में भी कुछ नये किसानों को इस कार्य में जोड़ा गया जहॉ पूर्व के वर्षो में कार्य आरंभ किया जा जुका है।

ग्राम बास्ती में ओकटसर की खेती का कार्य इस वर्ष भी सरकारी एजेंसी के असहयोगात्मक रवैये के कारण जारी नहीं रह पाया। हम स्वयंसहायता समूह के माध्यम से इस कार्य को जारी रखने हेतु प्रयासरत हैं।

इस वर्ष के दौरान 15 गॉवों के कुल 63 किसानों द्वारा 1.89 एकड़ भूमि में मूँगा भोज्य पौध (लिटसिया पौलिऐंथा एवं मिखैलिस बौंबासिना) तथा 24.5 एकड़ में ईरी भोज्य पौध (कैस्टर) का रोपण किया गया। किसानों द्वारा गॉवों में स्थापित नर्सरी से 819 पौध वर्ष 2010–11 के पौधारोपण हेतु उपलब्ध कराये गये।

ग्राम सुकना, डाना एवं धौलानी के 6 किसानों द्वारा 6 नर्सरियों की स्थापना की गई तथा एक नर्सरी की स्थापना अवनी केन्द्र में गई। इन नर्सरियों से वर्ष 2011–12 के पौधारोपण हेतु लगभग 2,000 पौध प्राप्त होने की संभावना है।

इस वर्ष के दौरान कुल 4 ईरी कीटपालन गृहों का निर्माण किया गया। अब तक कुल मिलाकर 31 ईरी कीटपालन गृहों का निर्माण किया जा चुका है।

कार्यक्रम से जुड़े नये गॉवों एवं किसानों का विवरण तालिका 12 में दिया गया है।

तालिका 12

गॉव का नाम	किसानों की सं0		रोपित क्षेत्र		कुल किसान	कुल क्षेत्र
	ईरी	मूँगा	ईरी	मूँगा		
गोबारगाड़ा	10	0	5	0	10	5
धौलकटिया	5	0	2.5	0	5	2.5
पटौली	1	0	0.5	0	1	0.5
बड़ेत	1	0	0.5	0	1	0.5
मलानी	2	2	0.5	0.22	4	1.22
बेरीनाग	1	0	1	0	1	0.5
डांगीगॉव	1	0	0.5	0	1	0.5
कुल	**21**	**2**	**10.5**	**0.22**	**23**	**10.72**

पुराने गॉवों में जोड़े गये नये किसानों का विवरण

तालिका 13

गॉव का नाम	किसानों की सं0		रोपित क्षेत्र		कुल किसान	कुल क्षेत्र
	ईरी	मूँगा	ईरी	मूँगा		
सीना	1	1	0.5	0.05	2	0.55
खेतीजौली	1	1	0.5	0.09	2	0.59
भूनी	2	0	1	0	2	1
माणा	2	0	1	0	2	1
धौलानी	4	0	2	0	4	2
चनकाना	1	2	0.5	0.36	3	0.86
अवनी	0	1	0	0.23	1	0.23
लिंगुरानी	10	5	5	0.73	15	5.73
मझेड़ा	1	0	0.5	0	1	0.5
सिमायल	2	0	1	0	2	1
देवलेत	3	1	1.5	0.14	4	1.64
चाख	1	1	0.5	0.07	2	0.57
कुल	**28**	**12**	**14**	**1.67**	**40**	**15.67**

7.1 प्रशिक्षण एवं कोकून पालन :–

इस वर्ष के दौरान 9 गॉवों के 21 किसानों के साथ कीटपालन किया गया। 6 गॉवों के 18 किसानों द्वारा 800 डीएफल ईरी कीटांड तथा 3 गॉव के 3 किसानों द्वारा 200 डीएफएल मूँगा कीटांडों का पालन किया गया। इस वर्ष के दौरान भी समय से उपयुक्त मौसम में कीटांड प्राप्त करने हेतु हमें काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। सरकारी प्रयोगशाला द्वारा खराब गुणवत्ता के कीटांड उपलब्ध कराने के कारण फसल काफी न्यून रही परिणामस्वरूप किसान हतोत्साहित हुए। विगत वर्ष की तरह इस वर्ष भी रेशम विभाग से इस मुद्दे पर बातचीत की गई तथा उनके द्वारा इस संदर्भ में आश्वस्त किया गया कि आगामी वर्षों में उत्तम गुणवत्ता के कोकून समय पर उपलब्ध करवाये जायेंगे।

कुल कोकून उत्पादन

ईरी कोकून 214 किग्रा

मूँगा कोकून 879 नग

कोकून उत्पादन से कुल आय रू0 9,674

हमें उम्मीद है कि एक बार कुछ किसानों के लिये इस कार्यक्रम को पूर्ण आय उपार्जक कार्यक्रम के रूप में प्रदर्शित करने के बाद हम इस कार्यक्रम के विस्तार में सफल होंगे तथा हस्तशिल्प कार्यक्रम हेतु संपूर्ण कच्चे माल की आवश्यकता की पूर्ति स्थानीय स्तर पर उत्पादन से कर पायेंगे। इस बीच हस्तशिल्प उद्यम अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिये बाहर से कोकून एवं तागे की खरीद जारी रखे हुए है। साथ ही हम कोकून उत्पादन को मजबूत आधार प्रदान करने हेतु कीटांडों की गुणवत्ता सुधार तथा नियमित आपूर्ति के लिये रेशम विभाग के साथ निरंतर संपर्क में हैं।

तालिका 14

विवरण	2006-07	2007-08	2008-09	2009-10	2010-11
कुल किसान – ईरी	50	39	96	46	49
कुल किसान – मूँगा	63	40	60	12	14
स्थापित नर्सरी		14	8	9	7
कुल पौधारोपण क्षेत्र	75.6 एकड़	59.5 एकड़	65.84 एकड़	25.84 एकड़	26.39 एकड़
कुल आय	रू0 3,670	रू0 5,544	रू0 7,395	रू0 18,230	रू0 9,674

8. सामुदायिक स्वास्थ्य

8.1 स्वास्थ्य बीमा :–

कारीगरों के स्वास्थ्य बीमा हेतु हम विकास आयुक्त हस्तशिल्प कार्यालय के साथ कार्य जारी रखे हुए हैं। इस वर्ष राजीव गॉधी शिल्पी स्वास्थ्य बीमा योजना के तहत 51 कारीगरों का स्वास्थ्य बीमा कराया गया। वर्तमान में ये कारीगर कैशलैस कार्ड की सहायता से मान्यताप्राप्त अस्पतालों से ईलाज कराने में सक्षम हैं।

अवनी स्टाफ के लिये विद्यमान जीवन बीमा के अलावा व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा की भी सुरक्षा प्रदान की गई है।

8.2 स्वास्थ्य सुरक्षा

स्वास्थ्या सुरक्षा की दिशा में अपनी छोटी सी पहल को जारी रखते हुए हमने संस्था में आने वाले डॉक्टरों के साथ चर्चाऐं आयोजित की हैं तथा रोगियों को आरोही एवं श्रीवास्तव क्लिनिक रानीखेत में सब्सिडाईज्ड एवं भरोसेमंद स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ प्रदान करवाया है। डा0 श्रीनिवासन द्वारा इस क्षेत्र के जरूरतमंद लोगों को स्वास्थ्य देखभाल हेतु सलाह एवं सहयोग दिया जा रहा है।

8.3 दाई प्रशिक्षण

ग्रामीण दाईयों हेतु सघन प्रशिक्षणों की श्रृंखला आयोजित की गई है। इन प्रशिक्षणों का आयोजन त्रिपुरादेवी केन्द्र में किया गया तथा अहमदाबाद स्थित लोकस्वास्थ्य मंडली द्वारा प्रशिक्षक की भूमिका निभाई गई। प्रशिक्षण के बाद लोकस्वास्थ्य मंडली, अहमदाबाद के कार्यक्षेत्र के गॉवों हेतु प्रदर्शन भ्रमण का भी आयोजन किया गया।

तालिका 15

क्रम सं0	अवधि	स्थान	डॉक्टर/प्रतिभागी	प्रतिभागी सं0
1	जुलाई 28 से अगस्त 1, 2010	अवनी केन्द्र, त्रिपुरादेवी	मंगलाबेन एवं अलकाबेन, लोक स्वास्थ्य मंडली, अहमदाबाद	21
2	8–1–11	अवनी केन्द, ग्राम सुकना	मासाचुसेट्स विश्वविद्यालय के मेडिकल विद्यार्थी	22
3	11–1–11	अवनी केन्द्र, ग्राम दिगोली	मासाचुसेट्स विश्वविद्यालय के मेडिकल विद्यार्थी	15
4	13–1–11	अवनी केन्द्र, त्रिपुरादेवी	मासाचुसेट्स विश्वविद्यालय के मेडिकल विद्यार्थी	40
5	जनवरी 25 से फरवरी 2, 2011	अवनी केन्द्र, त्रिपुरादेवी	मंगलाबेन एवं अलकाबेन, लोक स्वास्थ्य मंडली, अहमदाबाद	13
6	फरवरी 28 से मार्च 9, 2011	श्री गुजरात महिला लोक स्वास्थ्य सेवा सहकारी मंडली	लोक स्वास्थ्य मंडली	9

8.4 बेसलाईन सर्वे

लोक स्वास्थ्य सेवा मंडली द्वारा अवनी कार्यकर्ताओं को स्वास्थ्य से संबधित ऑकड़ों एवं विद्यमान स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी एकत्रित करने हेतु प्रशिक्षित किया गया। अवनी कार्यकर्ताओं द्वारा प्रशिक्षण के बाद 3 गॉवों के 100 परिवारों का सर्वे किया गया तथा ऑकड़ों का एकत्रीकरण किया गया। इन गॉवों में स्वास्थ्य से संबधित समस्याओं के समाधान हेतु लंबे समय की रणनीति बनाने के लिये इन ऑकड़ों के विश्लेषण का कार्य किया जा रहा है।

8.5 प्रदर्शन भ्रमण

ग्रामीण दाईयों एवं अवनी टीम के सदस्यों हेतु दिनांक 28–2–11 से 9–3–11 तक प्रदर्शन भ्रमण आयोजित किया गया। अवनी टीम के 4 कार्यकर्ताओं एवं 5 ग्रामीण दाईयों द्वारा स्वाश्रयी महिला संघ, अहमदाबाद में आयोजित इस प्रदर्शन भ्रमण में सहभागिता की गई। प्रदर्शन भ्रमण के दौरान प्रतिभागियों द्वारा "श्री गुजरात महिला लोक स्वास्थ्य सेवा सहकारी मंडली" के कार्यक्षेत्र के गॉवों का भ्रमण किया गया तथा सरकारी योजनाओं के साथ उनके संपर्क की जानकारी प्राप्त की गई। प्रदर्शन भ्रमण के दौरान प्रतिभागियों द्वारा निम्नलिखित विषयों पर जानकारी प्राप्त की गई।

1. स्थानीय क्षमता विकास एवं स्थानीय संसाधनों का विकास
2. सरकारी योजनाओं के साथ सहयोग

3. प्रचार के माध्यम से जागरूकता

9. कार्यशाला एवं बैठकें :–

हम अवनी के कार्यों का प्रस्तुतीकरण विभिन्न क्षेत्रों में करने एवं अधिकाधिक लोगों तक पहुॅचाने में सफल रहे हैं। इस प्रकिया से संस्था के लिये सकारात्मक सहयोग का सृजन हुआ है। विगत वर्ष के दौरान हमने निम्नलिखित स्थानों पर अपने कार्यों का प्रस्तुतीकरण किया है।

दिनांक	स्थान	आयोजक
मई 2010	देहरादून	जीटीजैड
मई 2010	देहरादून	नाबार्ड
जुलाई 2010	कोलेरोडो स्टेट यूनिवर्सिटी	मासाचुसेटस इंस्टीटयूट ऑफ टैक्नलॉजी, बोस्टन
अगस्त 2010	सांता क्लारा यूनिवर्सिटी, सैन फ्रांसिक्को	
सितंबर 2010	अपरंपरागत ऊर्जा स्रोत मंत्रालय, नई दिल्ली	अपरंपरागत ऊर्जा स्रोत मंत्रालय,
सितंबर 2010	फारेस्ट ट्रेनिंग इंस्टीटयूट	अपरंपरागत ऊर्जा स्रोत मंत्रालय,
सितंबर 2010	पेरिस	एथिकल फैशन शो
अक्टूबर 2010	ओलोरोन, फ्रांस	विश्व पर्वतवासी संगठन
दिसंबर 2010	दून विश्वविद्यालय, देहरादून	उत्तरांचल राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद
जनवरी 2011	गोविंद बल्लभ पंत हिमालयन पर्यावरण एवं विकास संस्थान, कोसी कटारमल, अल्मोड़ा	गोविंद बल्लभ पंत हिमालयन पर्यावरण एवं विकास संस्थान

10. विद्यार्थी एवं स्वयंसेवक :–

विवरण	भारतीय	विदेशी	कुल
विजिटर	51	36	87
स्वयंसेवक	0	5	5
स्कूल/कालेज के विद्यार्थी	30	8	38
सरकारी अधिकारी	5	–	5
डिप्लोमा विद्यार्थी	2	–	2
कुल	**88**	**49**	**137**

12. अन्य संस्थानों से सहयोग :–

राष्ट्रीय डिजाईन संस्थान, अहमदाबाद
आरोही, नैनीताल
पीपल ट्री, दिल्ली
दि वीवर्स व्हील नेटवर्क, गोवा
आइका, नई दिल्ली
दस्तकार, दिल्ली
रेशम विभाग हल्द्वानी एवं देहरादून
फ्रेंडस ऑफ तिलोनियां, संयुक्त राज्य अमेरिका
ली पैसर, डैकोरेशन, फ्रांस
टवेंट विश्वविद्यालय, नीदरलैंड
आई डी डी एस एवं डी–लैब मासाचुसैटस इंस्टीट्यूट ऑफ टैक्नॉलॉजी, संयुक्त राज्य अमेरिका
एक्सेस लाईवलीहुड कंसलटेंट, अहमदाबाद
श्री गुजरात महिला लोक स्वास्थ्य सेवा सहकारी मंडली, गुजरात
ग्रासरूट्स, रानीखेत
सेंटर फार साइंस टैक्नॉलांजी एण्ड सोसाईटी, सांता क्लारा यूनिवर्सिटी, कैलीफोर्नियां
हिमजोली

13. हमारे संस्थागत वित्तीय सहयोगी :–

1. वोल्कार्ट फाऊॅडेशन, भारत
2. फोर्ड फाऊॅडेशन, नई दिल्ली

14. व्यक्तिगत दानदाता 2010–11

नाम	अंशदान
श्री हरमल सिंह मलिक, सुश्री निकोला मलिक	1,000
पी. एन. गाडगिल एण्ड कंपनी, संस्कृति	35,000
सुश्री शैली होल्कर	500
सुश्री गोल्ड स्टेन	2,000
श्री डेविड फिसलेग	1,770
सुश्री पामेला चटर्जी, कौसानी	7,000
सुश्री मोईना रे, देहरादून	1,000
अवनी हिमालयन टैक्सटाईल्स, स्विटजरलैंड	1,63,855
सुश्री बसंती गोपाल राव खाती, पूना	2,000
आर्ट इंडस, नई दिल्ली	1,23,00o

श्री मंगेस होसकोटे	1,501
सुश्री सिब्ले पेस्टर, जिनेवा	47,551
क्रिस्टिन गारडियोल, फ्रांस	2,949
सुश्री विद्या एवं श्री ईसान	1,000
कुल	**3,90,126**

15. व्यक्तिगत सहयोग हेतु आभार

श्री अमर सेठ, दिल्ली
डॉ0 एस श्रीनिवासन, दिल्ली
सुश्री कैथरीन कौनफिनो, फ्रांस
श्री मिशेल कूबा, फ्रांस
सुश्री अलैजैंड्रा एल एबाटे, इटली
श्री ब्रूनो एवं सुश्री मिलेना जारो, इटली
श्री अरून एवं सुश्री सोफिया, गोवा
श्री चिन्मया एवं सुश्री नवीना, गोवा
सुश्री ऐलैजैंड्रा बैलेास एवं श्री रिक ब्रेडली

15. अवनी मुख्य कार्यकारिणी सदस्यों की सूची

नाम	पता	पदनाम
सुश्री पामेला चटर्जी	ग्राम बगरीजूना, कौसानी, जिला बागेश्वर, उत्तरांचल	अध्यक्ष
श्री रजनीश जैन	पो0 त्रिपुरादेवी, वाया बेरीनाग, जिला पिथौरागढ़, उत्तरांचल 262531	सचिव
श्री योगेश्वर कुमार	53 – राजौरी अपार्टमेंटस, सरकारी प्रेस के सामने, मायापुरी, नई दिल्ली 110064	कोषाध्यक्ष
श्री केशव देसीराजू	ए 5, टिहरी हाऊस आफिसर्स कालोनी, राजपुर रोड, देहरादून– 248009	सदस्य
डा0 स्मिता वोरा	ए 3, राहुल टैरेस, मीरा नगर, कोरेगॉव पार्क, पूना– 411001	सदस्य
डा0 सुशील शर्मा	ग्राम सतोली, पो0 प्यूड़ा, वाया मुक्तेश्वर, जिला नैनीताल, उत्तरांचल 263138	सदस्य
श्री गिरिराज सिन्ह	पो0 गोधरा पश्चिम, तालुका	सदस्य

	संतरामपुर, जिला पंचमहल, गुजरात 289230	

16. अवनी सामान्य कार्यकारिणी सदस्यों की सूची

नाम	पता
श्री जशौद सिंह	ग्राम – भयूँ,जिला पिथौरागढ़
श्री बलराम सिंह	ग्राम – भयूँ,जिला पिथौरागढ़
श्री फकीर राम	ग्राम – चन्तोला, जिला बागेश्वर
श्री राजेन्द्र जोशी	ग्राम – देवल बिछराल, जिला बागेश्वर
सुश्री हेमा आगरी	ग्राम – बेलड़ाआगर, जिला पिथौरागढ़
श्री जगदीश धपोला	ग्राम – सिलिंग्या, जिला बागेश्वर
सुश्री कमला राठौर	ग्राम – सिमगढ़ी, जिला बागेश्वर
सुश्री रधुली बोरा	ग्राम – दिगोली, जिला बागेश्वर
श्री गोविंद सिंह बोरा	ग्राम – गोल्ती, जिला पिथौरागढ़
श्री आनंद बल्लभ पंत	ग्राम – बना, जिला पिथौरागढ़
सुश्री कमला भैंसोड़ा	ग्राम – रावलगॉव, जिला पिथौरागढ़
सुश्री ललिता पंचपाल	ग्राम – सौक्यूड़ा, जिला बागेश्वर
सुश्री कमला बोरा	ग्राम – चनकाना, जिला पिथौरागढ़
श्री कुमुद पंत	ग्राम – बना, जिला पिथौरागढ़
श्री महेश राम	ग्राम – चन्तोला, जिला बागेश्वर
श्री वर्मा राम	ग्राम – गोल्ती, जिला पिथौरागढ़
श्री दीप पंत	ग्राम – बना, जिला पिथौरागढ़
सुश्री रेवती बोरा	ग्राम – दिगोली, जिला बागेश्वर
श्री हीरा सिंह धर्मशक्तू	ग्राम – धरमघर, जिला बागेश्वर
श्री पान सिंह मेहरा	ग्राम – महरूड़ी, जिला बागेश्वर
सुश्री शांति बोरा	ग्राम – दिगोली, जिला बागेश्वर
सुश्री रश्मि भारती	अवनी, त्रिपुरादेवी, जिला पिथौरागढ़

अवनी के वित्तीय परिणाम का सारांशः–

वर्ष 2010–11 के वित्तीय परिणाम का सारांश निम्नलिखित प्रकार है–

वित्तीय परिणामों का सारांश

आय एवं ब्यय

आय

बिक्री	13,57,286
अन्य आय	11,63,408
अनुदान (भारतीय)	13,65,585
एफ0सी0आर0ए0 अनुदान	28,86,902
एफ0सी0आर0ए0 अनुदान जमा पर अप्रयुक्त ब्याज	2,95,393
क्लोजिंग स्टॉक	10,92,780
कुल	81,61,354
ब्यय	
आरम्भिक स्टॉक	13,62,167
अनुदान एंव अन्य ब्यय	33,94,022
एफ0सी0आर0ए0 ब्यय	27,25,144
अप्रयुक्त अनुदान	
लोकल	5,58,902
एफ0सी0आर0ए0	4,57,151
वर्ष की आय	3,36,032
कुल	**81,61,354**
बैलेन्सशीट	
आय के स्रोत	
पूंजीगत कोश	90,24,414
अचल सम्पत्ति हेतु प्रयुक्त अनुदान	1,43,97,619
अप्रयुक्त अनुदान	11,88,667
वर्तमान देनदारियां	16,52,154
कुल	**2,62,62,855**
आय के प्रकार	
अचल सम्पत्ति	16195,759
कैश/बैंक	35,94,677
प्राप्ति योग्य अनुदान	1,03,345
अन्तिम स्टॉक	1092780

अन्य अचल सम्पत्ति	52,76,293
कुल	**2,62,62,855**